No. of Printed Pages : 4

MPS-003

12670

MASTER OF ARTS
(Political Science)

Term-End Examination

December, 2012

MPS-003 : INDIA : DEMOCRACY AND DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

*Note : Answer **any five** of the following questions selecting at least **two** from each section. Each question carries **20** marks.*

SECTION-I

1. Discuss the constitution of India as an instrument for socio-economic transformation.

2. Critically evaluate the role of Parliament in India.

3. Mass participation has changed the character of political parties in India. Discuss with examples.

4. Examine the role of Indian police in relation with the executive and judiciary.

5. Write an essay on the distribution of powers between union and states in India.

SECTION-II

6. Examine the nature, significance and role of working class movements in India.

7. Do you agree with the observation that interest groups have gained in the functioning of democracy Vis-a-Vis political parties. Give reasons for your answer.

8. What do you understand by agencies of development ? How do they contribute to the empowerment of women ?

9. Describe the ethnic challenges to nation building in India.

10. Examine the debate on the nature of Indian democracy with reference to differences between procedural and substantive democracy.

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.पी.एस.-003 : भारत : लोकतन्त्र और विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक **खण्ड** में से कम-से-कम **दो** प्रश्न चुनते हुए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखना है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-I

1. सामाजिक - आर्थिक रूपांतरण के एक यंत्र के रूप में भारत के संविधान की चर्चा कीजिए।

2. भारत में संसद की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

3. जन सहभागिता (mass participation) ने भारत में राजनीतिक दलों की प्रकृति बदल दी है। उदाहरणों के साथ चर्चा करें।

4. कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ सम्बंधों के संदर्भ में भारतीय पुलिस की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

5. भारत में केंद्र और राज्यों के मध्य शक्तियों के वितरण पर एक निबंध लिखें।

खण्ड-II

6. भारत में श्रमिक वर्ग आंदोलनों की प्रकृति, महत्त्व और भूमिका का परीक्षण कीजिए।

7. क्या आप इस मत से सहमत हैं कि लोकतंत्र के कार्यान्वयन में राजनीतिक दलों के होते हुए दबाव समूहों का महत्त्व बढ़ा है? अपने उत्तर के कारण बताएँ।

8. विकास की एजेंसियों से आप क्या समझते हैं? यह नारी सशक्तिकरण में किस प्रकार योगदान करती हैं?

9. भारत में राष्ट्र-निर्माण के समक्ष नृजातिय चुनौतियों का वर्णन करें।

10. प्रोस्ड्यूरल (procedural) लोकतंत्र और ठोस (substantive) लोकतंत्र के संदर्भ में भारतीय लोकतंत्र की प्रकृति पर वाद-विवादों का परीक्षण करें।